Date: / /

इन विद्वानों के शोध कार्य एवं अध्ययन के परिणाम स्वरूप प्रकार्यवाद के विकास एवं उपयोगिता में भी अधिक वृद्धि हुई।

(Angell and Carr का योगदान)

मनोविज्ञान के प्रकार्यवाद सम्प्रदाय का प्रारम्भ और विकास अमेरिका में हुआ। इस सम्प्रदाय का आरम्भ सन् 1894 के लगभग शिकागो University से माना जाता है इसीलिए इसे Chicago सम्प्रदाय भी कहा जाता है इस सम्प्रदाय का आरम्भ करने वाले थे James Rowland Angell और John Dewey। Angell की नियुक्ति Chicago University में मनोविज्ञान विभाग के निर्देशक के रूप में हुई थी। वह एक प्रतिभावान एवं योग्य मनोवैज्ञानिक था। यहाँ पर उसका संबंध John Dewey के साथ हुआ जो कि दर्शनशास्त्र के Professor थे और Age में Angell से लगभग 10 वर्ष के बड़े थे। दोनों ने सम्मिलित रूप से मनोविज्ञान का अध्ययन किया और प्रकार्यवाद को जन्म दिया। इस विषय में यह उल्लेखनीय है कि प्रकार्यवाद का विकास वास्तव में Titchener के संरचनावाद की प्रतिक्रिया के रूप में हुआ था। संरचनावाद में मानसिक तत्वों व प्रक्रियाओं को वस्तु के रूप में स्वीकार किया गया है। जबकि प्रकार्यवाद में इसको इस रूप में नहीं माना गया। प्रकार्यवाद के अनुसार मानसिक तत्व व प्रक्रियाएँ गतिशील होती हैं एक निश्चित उद्देश्य के लिए होती हैं एवं निरन्तर घटित होती हैं इनके अध्ययन के फलस्वरूप सफलता मिलती है। अन्य शब्दों में इनके अध्ययन की दार्शनिक पृष्ठभूमि फलवाद है।

Chicago University के अतिरिक्त Columbia University में भी प्रकार्यवाद का अध्ययन हुआ। प्रकार्यवाद मनोविज्ञान के अतिरिक्त मानसिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।

प्रकार्यवाद का कार्य यह जानना है कि मानसिक क्रियाएँ क्यों एवं कैसे होती हैं इसकी उपयोगिता क्या है। प्रकार्यवाद में मन की संरचना की ओर ध्यान नहीं दिया जाता। इसमें यह माना जाता है कि मन और शरीर में ऐसा adjustment है जिसके आधार पर समस्त मानसिक क्रियाएँ होती हैं।